Q.1) लखुदियार शैल चित्रों (Lakhudiyar rock paintings) के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. मनुष्य, पशु तथा सफेद, काले और लाल गेरूआ रंगों में ज्यामितीय पैटर्न के चित्रण होते हैं।
2. अधिरोपण (superimposition) के बिना हाथ से संबद्ध नृत्य करते हुए मानव चित्र इन चित्रों की विशेषता हैं।
3. लहरदार रेखाएं, आयत में भरे ज्यामितीय डिज़ाइन और बिंदुओं के समूह (groups of dots) भी यहाँ देखे जा सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.1) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
उत्तराखंड के लखुदियार में सुयाल नदी के तट पर स्थित लखुदियार के शैल आश्रयों में प्रागैतिहासिक चित्र हैं। लखुदियार का शाब्दिक अर्थ, एक लाख गुफाएँ हैं। यहां चित्रों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: **मनुष्य, जानवर और सफेद, काले और लाल गेरू में ज्यामितीय पैटर्न**।	मनुष्य को छड़ी जैसे रूपों में दर्शाया जाता है। यहाँ दर्शाया गया दिलचस्प दृश्यों में से एक **हाथ से संबद्ध नृत्य करती मानव आकृतियों का है। चित्रों में कुछ अधिरोपण है**। सबसे प्राचीन काले रंग में हैं; इनके बाद लाल गेरूआ रंग के चित्र हैं और अंतिम समूह में सफेद चित्र हैं।	एक लंबी नाक वाला पशु (long-snouted animal), एक लोमड़ी और एक बहु-पैर वाली छिपकली मुख्य पशु रूपांकन हैं। **लहरदार रेखाएं, आयत में भरे ज्यामितीय डिज़ाइन और डॉट्स के समूह** भी यहाँ देखे जा सकते हैं।

Q.2) निम्नलिखित युग्मों का मिलान करें:

सिंधु घाटी की कलाकृतियाँ	प्रयुक्त सामग्री
1. नृत्य करती हुई लड़की	A. टेरकोटा
2. दाढ़ी रखे हुए पुजारी	B. कांसा
3. पुरुष धड़ (Male Torso)	C. बलुआ पत्थर
4. मातृदेवी	D. स्टेटाइट

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 – A ; 2 – D ; 3 – C ; 4 – B
b) 1 – A ; 2 – C ; 3 – D ; 4 – B
c) 1 – B ; 2 – D ; 3 – C ; 4 – A
d) 1 – B ; 2 – C ; 3 – D ; 4 – A

Q.2) Solution (c)

सिंधु घाटी की कलाकृतियाँ	प्राप्त स्थल	प्रयुक्त सामग्री
नृत्य करती हुई लड़की	मोहनजोदड़ो	**कांसा**
दाढ़ी रखने वाला पुजारी	मोहनजोदड़ो	सोपस्टोन / **स्टेटाइट**
पुरुष धड़	हड़प्पा	लाल **बलुआ पत्थर**
मातृदेवी	मोहनजोदड़ो	**टेरकोटा**

Q.3) सिंधु घाटी सभ्यता के मृदभांडों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मृदभांडों में मुख्य रूप से बहुत अच्छे हस्तनिर्मित होते हैं, बहुत कम चाक पर बने होते थे।
2. बहु-रंगीय (Polychrome) मृदभांड दुर्लभ थें।
3. तराशे हुए बर्तन आम थे तथा तराशी गई सजावट बर्तन के आधारों तक सीमित थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा ग़लत है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.3) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
सिंधु घाटी के मृदभांडों में मुख्य रूप से बहुत ही उत्कृष्ट चाक पर बने हुए मृदभांड पाए गए हैं, जिसमें बहुत कम हस्तनिर्मित हैं। बहु-चित्रित बर्तन की तुलना में सादे मिट्टी के बर्तन अधिक आम थे। सादा मिट्टी के बर्तनों में महीन लाल मिट्टी या धूसर मिट्टी	**बहु -चित्रित (Polychrome) मृदभांड दुर्लभ है** तथा इसमें मुख्य रूप से लाल, काले और हरे रंग में ज्यामितीय पैटर्न से सजाए गए छोटे फूलदान शामिल हैं, कभी- कभी सफेद और पीले भी।	तराशे हुए बर्तन भी दुर्लभ थे तथा तराशी गई सजावट बर्तन के आधारों तक, सीमित थी,

प्रयुक्त हुई है। इसमें घुंडी वाले बर्तन भी शामिल हैं, जो हत्थे (knobs) की पंक्तियों के साथ अलंकृत होते थे। काले पेंट वाले बर्तन में लाल रंग की रेखा की बारीक कोटिंग होती है, जिस पर ज्यामितीय और जानवरों के डिजाइनों को चमकदार काले रंग में निष्पादित किया जाता है।		

Q.4) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

स्तूप स्थल	राज्य
1. जाग्यापेट	आंध्र प्रदेश
2. बैराट	मध्य प्रदेश
3. देवनीमोरी (Devnimori)	कर्नाटक

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 3
d) केवल 2 और 3

Q.4) Solution (d)

- **राजस्थान में बैराट स्तूप** एक मौर्यकालीन वृत्ताकार स्तूप-तीर्थ है (अशोक द्वारा), जो लकड़ी के छब्बीस अष्टकोणीय स्तंभों के साथ बारी-बारी से ईंट-पत्थर के चूने से बने पैनलों से बना है, जो एक खुले वर्गीय प्रांगण के चारों ओर व्यवस्थित कक्षों की एक डबल पंक्ति के साथ मठवासी अवशेष है। यह स्थान दो अशोक कालीन शिलालेखों के लिए प्रसिद्ध है और यहां महत्वपूर्ण प्राचीन बौद्ध अवशेष पाए जाते हैं।
- **देवनीमोरी स्तूप गुजरात** में शामलाजी के पास मेशवो नदी के तट पर स्थित है।
- **आंध्र प्रदेश के वेंगी में जगयपेट्टा**, अमरावती, भट्टीप्रोलू, नागार्जुनकोंडा, गोली आदि जैसे कई स्तूप स्थल हैं।

Q.5) प्रयाग प्रशस्ति में निम्नलिखित में से किस शासक का शिलालेख है?

1. अशोक
2. समुद्रगुप्त
3. जहांगीर

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.5) Solution (d)

- **इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख या प्रयाग प्रशस्ति** सबसे महत्वपूर्ण अभिलेखीय साक्ष्यों में से एक है।
- यह अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रचार के बारे में अपने अध्यादेशों को बताने के उद्देश्य से बनाया गया था।
- गुप्त सम्राट, समुद्रगुप्त (4 वीं शताब्दी ई.) के बारे में बाद में शिलालेखों में वर्णन विशेष रूप से उल्लेखनीय है।
- इसके अलावा शिला पर उत्कीर्ण मुगल सम्राट, जहाँगीर द्वारा 17 वीं शताब्दी के शिलालेख भी हैं।

Q.6) अमरावती स्कूल कला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह स्वदेशी रूप से विकसित की गयी थी तथा बाहरी संस्कृतियों से प्रभावित नहीं थी।
2. अमरावती स्कूल की मूर्तियां सफेद पत्थर का उपयोग करके बनाई गई थीं।
3. इस स्कूल की मूर्तियों में त्रिभंगा मुद्रा का अत्यधिक उपयोग किया गया है, अर्थात् शरीर तीन झुकाव के साथ था।

ऊपर दिए गए कौन से कथन सही हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.6) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
भारत के दक्षिणी भागों में, सातवाहन शासकों के संरक्षण में, अमरावती स्कूल कला कृष्णा नदी के तट पर विकसित हुई। प्रमुख स्थान जहाँ इस शैली का विकास हुआ, वे अमरावती, नागार्जुनिकोंडा, गोली, घंटाशाला और वेंगी हैं। **यह स्वदेशी रूप से विकसित हुई थी तथा बाहरी संस्कृतियों से प्रभावित नहीं थी।**	**अमरावती स्तूपों में प्रयुक्त सामग्री में एक विशिष्ट सफेद संगमरमर भी है** तथा अमरावती मूर्तियों में मानव, पशु और पुष्प रूपों में गहरा और शांत प्रकृतिवाद के साथ संचलन और ऊर्जा की भावना है।	मथुरा और गांधार स्कूल एकल छवियों पर केंद्रित थे, जबकि अमरावती स्कूल ने गतिशील छवियों या कथा कला के उपयोग पर अधिक जोर दिया। **इस स्कूल की मूर्तियों में त्रिभंग मुद्रा का अत्यधिक उपयोग किया गया है, अर्थात् शरीर में तीन ओर झुकाव रहता था।**

Q.7) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

मंदिर	मंदिर वास्तुकला की शैली
1. सूर्य मंदिर, कोणार्क	नगार
2. होयसल मंदिर, कर्नाटक	द्रविड़
3. मार्कंडेश्वर मंदिर, महाराष्ट्र	वेसर

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 2

Q.7) Solution (c)

- देश में मंदिरों के दो व्यापक व्यवस्था ज्ञात हैं - **उत्तर में नागर और दक्षिण में द्रविड़**। कई बार, नागर मंदिरों और द्रविड़ मंदिरों के चयनात्मक मिश्रण के माध्यम से बनाई गई एक स्वतंत्र शैली के रूप में मंदिरों की **वेसर शैली** का उल्लेख कुछ विद्वानों द्वारा किया गया है।
- मंदिर की वास्तुकला के उत्तर भारतीय शैली (नागर शैली) के कुछ सबसे अच्छे उदाहरण खजुराहो समूह के मंदिर, सूर्य मंदिर, कोणार्क, सूर्य मंदिर मोढेरा, गुजरात आदि हैं।
- बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा में होयसल मंदिर वेसर शैली के प्रमुख उदाहरण हैं। इसलिए युग्म 2 गलत है।
- महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में मार्कंडेश्वर या मार्कंडेदेव मंदिर है। वे 'मिनी खजुराहो' या 'विदर्भ के खजुराहो' के नाम से प्रसिद्ध हैं। वे शैव, वैष्णव और शक्ति विश्वास से संबंधित हैं। मंदिर उत्तर भारत के मंदिरों के नागर समूह से संबंधित हैं। इसलिए युग्म 3 गलत है।

Q.8) इनमें से सबसे अधिक संख्या में गुफाओं की खुदाई किस स्थान से हुई है?

a) अजंता
b) जुन्नार
c) एलोरा
d) कन्हेरी

Q.8) Solution (b)

- जुन्नार में सबसे अधिक संख्या में गुफा का उत्खनन हुआ है - दो सौ से अधिक गुफाएँ जबकि मुंबई में कन्हेरी में एक सौ आठ गुफाएँ उत्खनित हुई हैं।
- कुल मिलाकर जुन्नार के आसपास चार पहाड़ियों में स्थित 220 से अधिक परस्पर स्वतंत्र शिलाकृत गुफाएं हैं। भारत में जुन्नार में सबसे बड़ी और सबसे लंबी गुफा की खुदाई हुई है। गुफाओं के बीच सबसे प्रसिद्ध लेन्याद्री परिसर (Lenyadri complex) है। यह लगभग 30 शिला-कृत गुफाएं ज्यादातर बौद्ध गुफाओं की एक श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करती हैं।

- अजंता में उनतीस (29) गुफाएँ हैं।
- एलोरा में चौंतीस (34) बौद्ध, ब्राह्मण और जैन गुफाएँ हैं।

Q.9) सप्तमातृक (*saptamatrikas*) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सप्तमातृक बौद्ध धर्म में पूजित सात महिला देवताओं का एक समूह है।
2. कदंब ताम्र पत्रों के साथ-साथ आरंभिक चालुक्य और पूर्वी चालुक्य ताम्र पत्रों में सप्तमातृक पूजा के संदर्भ हैं।
3. नागार्जुनकोंडा शिलालेख दक्षिण भारत का सबसे प्राचीन संस्कृत शिलालेख है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.9) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
सप्तमातृक हिंदू धर्म में पूजित सात महिला देवताओं का एक समूह है जो अपने संबंधित देवताओं की ऊर्जा को व्यक्त करती हैं। वे ब्राह्मणी (ब्रह्मा की पत्नी), महेश्वरी (शिव की पत्नी), कुमारी (कुमारी की पत्नी), वैष्णवी (विष्णु की पत्नी), वराही (वराह की पत्नी, या वर, विष्णु का अवतार [अवतार)), इंद्राणी (इंद्र की पत्नी), और चामुंडा, या यामी (यम की पत्नी) है।	कदंब ताम्र पत्रों के साथ-साथ आरंभिक चालुक्य और पूर्वी चालुक्य ताम्र पत्रों में सप्तमातृक पूजा के संदर्भ हैं।	सभी उपलब्ध साक्ष्यों ने यह साबित कर दिया है कि 207 ई. में जारी सातवाहन राजा विजया का आंध्र प्रदेश में चेबरोलू शिलालेख दक्षिण भारत का अब तक का सबसे प्राचीनतम संस्कृत शिलालेख है। अब तक 4 वीं शताब्दी में जारी इक्ष्वाकु राजा एहवाल चंटमुला के नागार्जुनकोंडा शिलालेख को दक्षिण भारत में सबसे प्राचीन संस्कृत शिलालेख माना जाता था।

Q.10) प्राचीन भारत में गुप्त काल के गुफा चित्रों के कौन से उदाहरण हैं?

1. बाघ
2. कार्ले
3. अजंता
4. भज
5. एलोरा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 3

b) केवल 2, 3 और 4

c) केवल 1, 3 और 5

d) केवल 1, 2, 4 और 5

Q.10) Solution (a)

- प्राचीन भारत के गुप्त काल में गुफा चित्रकारी के केवल दो ज्ञात उदाहरण देखे गए। गुफा चित्र मध्य प्रदेश में बाघ गुफाओं और महाराष्ट्र में अजंता गुफाओं में पाए जाते हैं।

Q.11) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

दक्षिण भारत के मंदिर	निर्माता
1. मीनाक्षी मंदिर, मदुरै	पंड्या
2. तटीय मंदिर, महाबलीपुरम	पल्लव
3. विरुपाक्ष मंदिर, पट्टडकल	राष्ट्रकूट

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 1 और 2

b) केवल 2

c) केवल 2 और 3

d) 1, 2 और 3

Q.11) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
मीनाक्षी मंदिर या मीनाक्षी-सुंदरेश्वर मंदिर, एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर है जो तमिलनाडु के मंदिर शहर मदुरई में वैगई नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है। मीनाक्षी मंदिर का निर्माण राजा कुलशेखर पंड्या (1190-1216 ई.) ने करवाया था। मीनाक्षी मंदिर में विश्व का सबसे ऊंचा गोपुरम है। गोपुरम की	मामल्लापुरम में तटीय मंदिर और कांचीपुरम में कैलाशनाथ मंदिर पल्लव राजा नरसिंहवर्मन द्वितीय या राजसिम्हा (695 -722 ई.) के शासनकाल के दौरान बनाए गए थे।	पट्टुडक्कल में विरुपाक्ष मंदिर और संगमेश्वर मंदिर अपनी द्रविड़ शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। कांचीपुरम में कैलाशनाथ मंदिर के मॉडल पर विरुपाक्ष मंदिर बनाया गया है। इसका निर्माण चालुक्य राजा विक्रमादित्य द्वितीय की रानियों में से एक ने किया था। कांची से लाए

कला नायक शैली में अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गई थी।		गए मूर्तिकारों को इसके निर्माण में लगाया गया था।

Q.12) भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, शब्द 'संधार', 'निरंधार' और 'सर्वतोभद्र' निम्नलिखित में से किसके साथ संबद्ध हैं?

a) मंदिर वास्तुकला
b) बौद्ध साहित्य
c) शिला-कृत गुफाएँ
d) शास्त्रीय संगीत

Q.12) Solution (a)

- प्रारंभिक ब्राह्मण मंदिरों में किसी एक देवता की प्रमुख प्रतिमा होती थी। ये मंदिर तीन प्रकार के होते थे - संधार प्रकार (बिना प्रदक्षिणापथ के), निरंधार प्रकार (प्रदक्षिणापथ के साथ), और सर्वतोभद्र (जिसमें सभी दिशाओं से पहुँचा जा सकता है)।
- कुछ महत्वपूर्ण प्रारंभिक मंदिर स्थल उत्तर प्रदेश में देवगढ़, मध्य प्रदेश के विदिशा के पास एरण, नचना-कुठार और उदयगिरि हैं। ये मंदिर एक साधारण संरचना हैं, जिसमें एक बरामदा, एक हॉल और पीछे एक मुख्य मंदिर होते है।

Q.13) निम्नलिखित में से कौन मौर्य मूर्तिकला परंपरा के उदाहरण हैं?

1. सारनाथ में सिंहचतुर्मुख स्तम्भशीर्ष (Lion Capital)
2. सारनाथ में बैठे हुए बुद्ध (Seated Buddha)
3. दीदारगंज यक्षिणी

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.13) Solution (b)

- सारनाथ में पाए गए मौर्य स्तम्भशीर्ष, जिसे सिंहचतुर्मुख स्तम्भशीर्ष (Lion Capital) के नाम से जाना जाता है, मौर्यकालीन मूर्तिकला परंपरा का सबसे अच्छा उदाहरण है। यह हमारा राष्ट्रीय प्रतीक भी है। इसे काफी सावधानी के साथ उकेरा गया है - चमकदार गर्जन शेर की आकृति एक वृत्ताकार अबेकस पर मजबूती से खड़ी हैं जो घोड़े, बैल, शेर और हाथी की आकृति के साथ हैं, सटीकता के साथ निष्पादित हुई हैं, जो मूर्तिकला तकनीकों में काफी महारत दिखाती हैं। । धम्मचक्रप्रवर्तन (बुद्ध द्वारा प्रथम उपदेश) का प्रतीक यह स्तंभशीर्ष बुद्ध के जीवन में इस महान ऐतिहासिक घटना का एक मानक प्रतीक बन गया है।
- आधुनिक पटना के पास दीदारगंज से चौरी (flywhisk) पकड़े यक्षिणी की आदमकद खड़ी आकृति मौर्य काल की मूर्तिकला परंपरा का एक और अच्छा उदाहरण है। इसे पटना संग्रहालय में रखा गया है, यह एक चमकदार सतह के साथ बलुआ पत्थर से बनी गोलाई में एक लंबी, अच्छी तरह से आनुपातिक, मुक्त खड़ी मूर्ति है।

- पांचवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में सारनाथ से बैठे हुए बुद्ध की आकृति सारनाथ में संग्रहालय में रखी गई है। इसे चुनार के बलुआ पत्थर से बनाया गया है। बुद्ध को पद्मासन में एक सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है। यह मूर्तिकला के सारनाथ स्कूल का एक अच्छा उदाहरण है जो गुप्त काल के दौरान उभरा था।

Q.14) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

मूर्तिकला (*Sculpture*)	गुफाएं
1. गजासुर शिव (Gajasura Shiva)	एलोरा
2. मारा विजय (Mara Vijaya)	अजंता
3. महेशमूर्ति (Maheshmurthi)	एलीफेंटा

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.14) Solution (d)

- गुफा संख्या 15, एलोरा में गजासुर शिव की मूर्ति है।
- मार विजया का विषय अजंता की गुफाओं में चित्रित किया गया है। यह गुफा संख्या 26 की दाहिनी दीवार पर उकेरी गई एकमात्र मूर्तिकला है।
- एलिफेंटा में महेशमूर्ति की आकृति छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व की है। यह मुख्य गुफा मंदिर में स्थित है। पश्चिमी दक्कन की मूर्तिकला की परंपरा में, यह शिला गुफाओं में मूर्तिकला चित्र बनाने में गुणात्मक उपलब्धि का सबसे अच्छा उदाहरण है।

Q.15) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

संरचनाएं	अर्थ
1. हमाम	धार्मिक निर्देश देने का स्थान
2. सराय	यात्रियों के रुकने का स्थान
3. नक्कारखाना	ड्रम हाउस

4. खानकाह	घड़ी टावर (Watch towers)

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 2 और 3
b) केवल 1 और 4
c) केवल 2, 3 और 4
d) केवल 1, 2 और 3

Q.15) Solution (a)

- **हमाम** - एक तुर्की स्नानागार जो सार्वजनिक स्नान का स्थान होता है।
- **सराय** - सराय काफी हद तक एक साधारण वर्गाकार या आयताकार योजना पर बनाया गया था तथा इसका उद्देश्य भारतीय और विदेशी यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों, व्यवसायियों आदि को अस्थायी आवास प्रदान करना था।
- **नक़्क़ार ख़ाना** - ड्रम हाउस जहाँ से औपचारिक संगीत बजाया जाता था, जो आमतौर पर गेट के ऊपर स्थित होता था। मुगल महल-परिसरों में यह एक लोकप्रिय विशेषता थी।
- **खानकाह या रिबत (Khanqahs or Ribat)** - एक इमारत है जो विशेष रूप से सूफी भाईचारे या सूफी (tariqa) सभाओं के लिए बनाई गई है तथा यह आध्यात्मिक वापसी और चरित्र सुधार के लिए एक जगह है।

Q.16) नायक चित्रकला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह मामूली क्षेत्रीय संशोधनों और संयोजनों के साथ विजयनगर शैली का विस्तार है।
2. लेपाक्षी में दक्षिणामूर्ति की पेंटिंग इस शैली का एक अच्छा उदाहरण है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.16) Solution (a)

- सत्रहवीं और अट्ठारहवीं शताब्दी में नायक वंश की पेंटिंग तमिलनाडु के थिरुपरकुंरम, श्रीरंगम और तिरुवरूर में देखी जाती हैं। थिरुपरकुंरम में, पेंटिंग चौदहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के दो अलग-अलग कालखंडों में पाई जाती हैं। प्रारंभिक चित्र वर्धमान महावीर के जीवन के दृश्यों को दर्शाते हैं।
- नायक चित्र महाभारत और रामायण के प्रसंगों को दर्शाते हैं और कृष्ण-लीला के दृश्य भी दर्शाते हैं।
- तिरुवरुर में, मुचुकुंद की कहानी सुनाने वाला एक चित्रण है। चिदंबरम में, शिव और विष्णु से संबंधित कथाओं का वर्णन करने वाले चित्र हैं - जिसमें शिव के रूप में भिक्षाटन मूर्ति, मोहिनी के रूप में विष्णु हैं।
- आरकोट जिले के चेंगम में श्री कृष्ण मंदिर में रामायण की कहानी का वर्णन करते हुए 60 चित्र हैं, जो नायक चित्रों के अंतिम चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं।

- ऊपर दिए गए उदाहरणों से पता चलता है कि **नायक चित्रों में मामूली क्षेत्रीय संशोधनों और समावेशन के साथ विजयनगर शैली का अधिकतर विस्तार था**। इसलिए कथन 1 सही है।
- ज्यादातर चित्रों में, आकृतियां एक समतल पृष्ठभूमि पर बनी होती हैं। विजयनगर के लोगों की तुलना में पुरुष आकृतियों को पतली कमर वाले लेकिन कम भारी पेट के साथ दिखाया गया है। पिछली शताब्दियों और निम्नलिखित परंपराओं के अनुसार कलाकार ने संचलन को प्रभावित करने और स्थान को गतिशील बनाने की कोशिश की है। तिरुवलंजलि में नटराज की पेंटिंग एक अच्छा उदाहरण है।
- लेपाक्षी, आंध्र प्रदेश में, शिव मंदिर की दीवारों पर विजयनगर चित्रों के शानदार उदाहरण हैं - शिव धनुष और तीर के साथ सूअर (Boar) का शिकार करते हुए, दक्षिणामूर्ति चित्र आदि। इसलिए कथन 2 गलत है।

Q.17) भारत-सारसेनिक वास्तुकला (Indo-Saracenic Architecture) में, निम्नलिखित में से कौन सी सजावटी शैली का उपयोग किया जाता है?

1. उच्च और निम्न झुकी हुई नक्काशी (High and low relief carving)
2. चौकोर (Tessellation)
3. जाली का उपयोग और सुलेख (Calligraphy)
4. दीवार की सतह पर रहने वाले जीवित रूपों का चित्रण
5. अरबस्क (Arabesque)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 1, 2, 3 और 5
c) केवल 2, 3 और 5
d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.17) Solution (b)

इंडो-सारासेनिक या इंडो-इस्लामिक वास्तुकला में इस्तेमाल किए जाने वाले सजावटी रूप

- इन रूपों में उत्कीर्णन या महीन चुने (stucco) के माध्यम से प्लास्टर पर डिजाइनिंग शामिल थी। डिजाइन या तो सादे थे या रंगों से कवर थे।
- रूपांकनों पर पेंटिंग या पत्थरों से नक्काशी भी की गई थी। इन रूपांकनों में फूलों की किस्में, दोनों उप-महाद्वीप और बाहर के स्थानों से, विशेष रूप से ईरान से, शामिल थीं। मेहराब के आंतरिक घटों में कमल की कली का अत्यधिक इस्तेमाल हुआ था।
- दीवारों को सरू, चिनार और अन्य पेड़ों के साथ-साथ फूलों और पत्तियों से भी सजाया गया था। फर्श को सजाने वाले फूल रूपांकनों के कई जटिल डिजाइन भी वस्त्र और कालीन पर पाए जाने थे।
- चौदहवीं, पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दियों में भी दीवारों और गुंबदों की सतह के लिए टाइल का उपयोग किया गया था। लोकप्रिय रंग नीले, फ़िरोज़ा, हरे और पीले थे।
- इसके बाद **चौकोर (मोज़ेक डिज़ाइन) और पित्रे ड्यूरा की तकनीकों** को विशेष रूप से दीवारों के पैनलों में सतह की सजावट के लिए उपयोग किया गया। कई बार लैपिस लज़ुली का उपयोग आंतरिक दीवारों या कैनोपियों पर किया जाता था।
- अन्य सजावट में **अरबस्क, सुलेख (calligraphy) तथा उच्च और निम्न झुकी हुई नक्काशी और जाली का एक विपुल उपयोग** शामिल था। उच्च झुकी नक्काशी में तीन आयामी रूप थे। मेहराब सादे और स्क्वाट (squat) थे और कभी-कभी उच्च और नुकीले होते थे।

- सोलहवीं शताब्दी के बाद से मेहराब को त्रिपर्णी (trefoil) या कई पत्थरों से बनाया गया था।
- छत केंद्रीय गुंबद और अन्य छोटे गुंबदों और छोटे मीनारों का मिश्रण था। केंद्रीय गुंबद एक उल्टे कमल के फूल आकृति और एक धातु या पत्थर के शिखर के साथ सबसे ऊपर था।
- हिंदुओं ने अपनी धार्मिक आस्था के अनुसार मूर्तियों और चित्रों को सजाया, जबकि इस्लाम ने किसी भी सतह पर जीवित रूपों के चित्रांकन के लिए मना किया, अपनी धार्मिक कला और वास्तुकला को विकसित किया जिसमें अरबस्क, ज्यामितीय पैटर्न तथा प्लास्टर और पत्थर पर सुलेख (calligraphy) की कला शामिल थी।

Q.18) नंदलाल बोस, एक कलाकार के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वह बंगाल स्कूल कला के उल्लेखनीय चित्रकारों में से एक थे।
2. उन्हें भारत के संविधान की मूल पांडुलिपि को सुशोभित करने के लिए जाना जाता है।
3. वह ललित कला अकादमी के फैलो के रूप में चुने जाने वाले पहले कलाकार थे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.18) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
बंगाल स्कूल को 1940-1960 में चित्रों की मौजूदा शैलियों के लिए एक प्रतिक्रियावादी दृष्टिकोण माना जाता है। बंगाल स्कूल का विचार 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में अबनिंद्रनाथ टैगोर की रचनाओं के साथ आया। नंदलाल बोस (1882 - 1966) अबनिंद्रनाथ टैगोर के शिष्य थे, और इस स्कूल के एक उल्लेखनीय चित्रकार थे।	बोस ने एक कर्मचारी के साथ चलते हुए गांधी जी का सफेद आधार प्रिंट पर एक काला चित्र बनाया जो अहिंसा आंदोलन के लिए प्रतिष्ठित छवि बन गया। उन्हें जवाहरलाल नेहरू द्वारा भारत सरकार के पुरस्कारों में भारत रत्न और पद्म श्री सहित प्रतीक को चित्रित करने के लिए कहा गया था। **उन्हें भारत के संविधान की मूल पांडुलिपि को सुशोभित करने के लिए भी जाना जाता है।**	वह वर्ष 1956 में ललित कला अकादमी, भारत की राष्ट्रीय कला अकादमी के फैलो के रूप में चुने जाने वाले **दूसरे कलाकार** बने। बंगाल स्कूल कला के जैमिनी रॉय 1955 में फैलो के रूप में चुने जाने वाले पहले कलाकार थे।

Q.19) पट्टचित्र चित्रकला (Pattachitra paintings) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह ओडिशा की एक पारंपरिक दीवार-आधारित स्क्रॉल पेंटिंग है।
2. कलाकार प्रारंभिक चित्र के लिए एक पेंसिल या लकड़ी के कोयला का उपयोग करते थे।
3. पेंट में प्रयुक्त सामग्री सब्जी, पृथ्वी सामग्री और खनिज स्रोतों से लिए जाते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.19) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
पट्टचित्र पेंटिंग्स ओडिशा की एक पारंपरिक कपड़ा-आधारित स्क्रॉल पेंटिंग है, जो अपने चित्रात्मक अवधारणा, पेंटिंग की तकनीक, रेखा निर्माण और रंग योजना के कारण अपनी अनूठी जगह बनाती है। इन चित्रों को पारंपरिक रूप से महापात्रों द्वारा तैयार किया गया था, जो ओडिशा में एक मूल कलाकार जाति है।	**कलाकार प्रारंभिक चित्र के लिए एक पेंसिल या लकड़ी का कोयला का उपयोग नहीं करता है।** पट्टचित्र में, चित्रकला की सीमाओं को पहले पूरा करना एक परंपरा है। जब पेंटिंग पूरी हो जाती है तो इसे चारकोल की आग के ऊपर रखा जाता है तथा सतह पर लाख (lacquer) लगाया जाता है। यह पेंटिंग को प्रतिरोधी और टिकाऊ बनाता है, इसके अलावा यह एक चमकदार फिनिशिंग भी देता है।	भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा, कृष्ण लीला, भगवान विष्णु के अवतार, पंचतंत्र, पुराणों, रामायण-महाभारत और गीत गोविंद से पौराणिक और लोक कथाओं का चित्रण। **पेंट में प्रयुक्त सामग्री सब्जी, पृथ्वी सामग्री और खनिज स्रोतों से होती हैं।** कायथा के पेड़ का गोंद मुख्य घटक है, और इसका उपयोग विभिन्न रंजक बनाने के लिए आधार के रूप में किया जाता है।

Q.20) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. चेरियल चित्रकला - मध्य प्रदेश
2. मांडना चित्रकला - राजस्थान
3. पैटकर चित्रकला - झारखंड

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) केवल 1 और 3

Q.20) Solution (b)

- **मांडना पेंटिंग राजस्थान और मध्य प्रदेश भारत में दीवार और फर्श की पेंटिंग हैं।** मांडना घर और चूल्हा की रक्षा के लिए तैयार की जाती हैं, घर में देवताओं का स्वागत के लिए और उत्सव के अवसरों पर उत्सव के प्रतीक के रूप में बनायी जाती हैं। राजस्थान के सवाई माधोपुर क्षेत्र की गाँव की महिलाओं के पास सही समरूपता और सटीकता के डिजाइन के विकास के लिए कौशल है। जमीन को गाय के गोबर से रति, स्थानीय मिट्टी और लाल

गेरू से तैयार किया जाता है। नीबू या चाक पाउडर का उपयोग आकृति बनाने के लिए किया जाता है। नियोजित उपकरण कपास का एक टुकड़ा, बालों का एक गुच्छेदार, या खजूर की झाड़ (date stick) से बना एक अल्पविकसित ब्रश होता है। डिजाइन में गणेश, मोर, काम करती महिलाएं, बाघ, पुष्प आकृति आदि बनाये जाते हैं

- झारखंड के पूर्वी हिस्से में स्थित अमदुबी गाँव को पैटकर का गाँव भी कहा जाता है। 'पैटकर' इस गांव की पारंपरिक पेंटिंग है, जो एक कला का रूप है जो प्राचीन काल से गांव में मौजूद है। **पैटकर चित्रों को झारखंड के स्क्रॉल चित्रों के रूप में भी जाना जाता है।** यह चित्रकला रूप पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा और भारत के अन्य आस-पास के राज्यों में लोकप्रिय है। झारखंड के आदिवासी कलाकारों ने स्क्रॉल पेंटिंग की इस कला को बढ़ावा दिया है जिसका उपयोग लंबे समय से कहानी कहने और सामाजिक-धार्मिक रीति-रिवाजों में किया जाता रहा है। इस रूप से संबंधित चित्रों में मृत्यु के बाद मानव जीवन के साथ क्या होता है, इसका एक सामान्य विषय है। यह स्क्रॉल पेंटिंग बंगाली और झारखंडी दैनिक जीवन को भी प्रतिबिंबित करती है। पैटकर चित्रकला के ऐतिहासिक काल का पता पश्चिम बंगाल राज्य से जुड़ी संस्कृति से लगाया जा सकता है, लेकिन अब कला केवल अमदुबी गाँव में प्रचलित है। पैटकर चित्रकला को पट्ट चित्रकला से व्युत्पन्न माना जा सकता है।
- **चेरियल स्क्रॉल पेंटिंग,** नकाशी कला का एक शैलीगत संस्करण है, जो स्थानीय रूपांकनों में **तेलंगाना** के अद्वितीय गुणों से भरपूर है। वे वर्तमान में केवल हैदराबाद, तेलंगाना, भारत में बनाई जाती हैं।

Q.21) निम्नलिखित में से किस संगठन ने महिला, व्यवसाय और कानून रिपोर्ट 2020 (Women, Business and The Law Report 2020) जारी की?

a) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)
b) UN- आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग (UN-DESA)
c) संयुक्त राष्ट्र की महिला
d) विश्व बैंक

Q.21) Solution (d)

- महिला, व्यवसाय और कानून रिपोर्ट 2020, 190 अर्थव्यवस्थाओं में महिलाओं के आर्थिक अवसर (उद्यमिता और रोजगार) पर कानूनों और विनियमों (कानूनी लिंग समानता) के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए **विश्व बैंक** द्वारा रिपोर्ट का छठा संस्करण है।
- यह कानून में लैंगिक समानता तथा पुरुषों और महिलाओं के बीच आर्थिक अवसरों तक पहुंच के कानूनी अंतर की दिशा में वैश्विक प्रगति को मापता है।
- आठ संकेतक गतिशीलता, कार्यस्थल, वेतन, विवाह, पेरेंटहुड, उद्यमिता, संपत्ति और पेंशन हैं।
- भारत 117 वें स्थान पर था और उसने 100 में से 74.4 स्कोर प्राप्त किया।

Q.22) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

समाचारों में शहर	देश
1. अल-असद	इराक
2. सिरते	मिस्र

3. लामू	केन्या
4. इरबिल	सीरिया
5. त्रिपोली	जॉर्डन

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 2 और 5
b) केवल 1, 3 और 4
c) केवल 2, 4 और 5
d) केवल 1, 2, 3 और 5

Q.22) Solution (c)

- **अल-असद और इरबिल** सैन्य ठिकाने **इराक** में स्थित हैं।
- **लामू** शहर **केन्या** के तट पर स्थित है।
- **सिरते** भूमध्यसागरीय तट पर स्थित **लीबिया** में एक शहर है।
- **त्रिपोली लीबिया** में है।

Q.23) मग्गर क्रोकोडाइल (Mugger Crocodile) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह मीठे पानी के आवासों में तथा तटीय खारे पानी के लैगून और ज्वारनदमुखों में भी पाया जाता है।
2. यह IUCN लाल सूची के तहत एक 'लुप्तप्राय' (Endangered) प्रजाति है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.23) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
मग्गर क्रोकोडाइल एक अंडे देने वाली और छेद में आवास बनाने वाली प्रजाति है। यह मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप तक ही सीमित है। **नदियों, झीलों तथा दलदल और तटीय खारे पानी के लैगून और ज्वारनदमुख सहित मीठे पानी के आवास के कई प्रकारों में पाए जाते हैं।**	**आईयूसीएन स्थिति: सुभेद्य (Vulnerable)।** यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के तहत संरक्षित है।

Q.24) जो कुट्पुई (Zo Kutpui) निम्नलिखित में से किस जनजाति का त्योहार है?

a) मिजो
b) अपातानी
c) कूकी
d) मेइती

Q.24) Solution (a)

- जो कुटपई (Zo Kutpui) विभिन्न **मिज़ो जनजातियों** द्वारा मनाया जाने वाला त्योहार है, जो संसार के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले विभिन्न मिज़ो जनजातियों के बीच भाईचारे को एकजुट करने और मजबूत करने का एक प्रयास है।
- मिजोरम सरकार, भारत तथा अमेरिका, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों में कम से कम 10 राष्ट्रों में Zo Kutpui का आयोजन करेगी।

Q.25) उत्तर-पूर्व गैस ग्रिड परियोजना के संदर्भ में, इनमें से कौन सा कथन सही नहीं है / हैं?

1. ग्रिड पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी आठ राज्यों को जोड़ती है।
2. इसे गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (GAIL) द्वारा लागू किया गया है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.25) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
पूर्वोत्तर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड 1,656 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन है जो असम में गुवाहाटी को इस क्षेत्र के प्रमुख शहरों जैसे कि ईटानगर, दीमापुर, कोहिमा, इम्फाल, आइजोल और अगरतला से जोड़ती है **जो पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी आठ राज्यों को कवर करती है।**	यह परियोजना पूर्वोत्तर के लिए सरकार के हाइड्रोकार्बन विजन 2030 को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण है। **इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (IGGL) - पांच CPSE (IOCL, ONGC, GAIL, OIL और NRL) की एक संयुक्त उद्यम कंपनी कार्यान्वयन एजेंसी है।**

Q.26) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. 'ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन (BoI)' विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में है।
2. ई-एफआरआरओ योजना (e-FRRO scheme) आव्रजन, वीजा और विदेशी पंजीकरण और ट्रैकिंग (IVFRT) प्लेटफॉर्म पर लागू की गई है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.26) Solution (b)

'ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन (BoI)' गृह मंत्रालय के तत्वावधान में है।

ई-एफआरआरओ योजना का उद्देश्य विदेशियों के लिए वीजा संबंधित सेवाओं का लाभ उठाने के लिए और उपयोगकर्ता के अनुकूल अनुभव के साथ विदेशियों को फेसलेस, कैशलेस और पेपरलेस सेवाएं प्रदान करना है।

ई-एफआरआरओ योजना को आईवीएफआरटी प्लेटफॉर्म पर नगण्य अतिरिक्त खर्च के साथ लागू किया गया है, जो पहले से ही सफलतापूर्वक ई-वीजा योजना से चल रहा है।

Q.27) निम्नलिखित में से कौन सा युग्म, सही रूप से सुमेलित है / हैं?

समाचार में स्थान - देश

1. अशदोद - इज़राइल
2. ताल ज्वालामुखी - इंडोनेशिया
3. हुलहुमाले - श्रीलंका

सही कूट का चयन करें

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.27) Solution (a)

अशदोद - इज़राइल
ताल ज्वालामुखी - फिलीपींस
हुलहुमाले - मालदीव

Q.28) 'सहयोग-काजीन' (Sahyog-Kaijin) भारतीय कोस्ट गार्ड्स और किसके बीच एक संयुक्त अभ्यास है

a) जापान
b) चीन
c) इंडोनेशिया
d) थाईलैंड

Q.28) Solution (a)

'सहयोग-काजिन' के पीछे उद्देश्य भारत और जापान के बीच संबंध को मजबूत करना है।

Q.29) 'भारत के पारस्परिक क्षेत्र' (Reciprocating Territories of India) शब्द हाल ही में समाचारों में था।
निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. शब्द का दायरा नागरिक प्रक्रिया संहिता से निकला है।
2. संयुक्त अरब अमीरात एकमात्र भारत का पारस्परिक क्षेत्र है

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.29) Solution (a)

भारत के पारस्परिक क्षेत्रों की परिभाषा, स्पष्टीकरण और कार्यक्षेत्र सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (संहिता) की धारा 44-ए से निकलती है। 'संहिता' की धारा 44-ए के एक स्पष्ट खंडन से पता चलता है कि एक पारस्परिक क्षेत्र का मतलब भारत के बाहर किसी भी देश या क्षेत्र से है, जिसे केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, धारा 44-ए के उद्देश्य के लिए एक पारस्परिक क्षेत्र घोषित कर सकती है।

संयुक्त अरब अमीरात के अलावा, अन्य देशों को "पारस्परिक क्षेत्र" घोषित किया गया है: यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, बांग्लादेश, मलेशिया, त्रिनिदाद और टोबैगो, न्यूजीलैंड, कुक आइलैंड्स (नीयू सहित) और पश्चिमी समोआ, हांगकांग, पापुआ न्यू गिनी, फिजी, अदन।

Q.30) 'रिस्किलिंग क्रांति' (Reskilling Revolution) किसकी एक पहल है

a) विश्व आर्थिक मंच
b) विश्व बैंक
c) विश्व व्यापार संगठन
d) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

Q.30) Solution (a)

भारत बुधवार को विश्व आर्थिक मंच की **रिस्किलिंग क्रांति' (Reskilling Revolution)** के संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल हुआ, जो 2030 तक एक अरब लोगों को बेहतर शिक्षा, कौशल और रोजगार प्रदान करने की पहल है।

इस योजना का उद्देश्य तकनीकी परिवर्तन से भविष्य में काम करने वाले श्रमिकों और चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए नए कौशल प्रदान करके अर्थव्यवस्थाओं की मदद करना है।

संस्थापक सरकारों में ब्राजील, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, रूसी संघ, यूएई और अमेरिका शामिल हैं।